an>

Title: Need to shift 'Waste to Energy' Plant from Okhla area of East Delhi.

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं एक बहुत ही गंभीर मुद्दा लेकर आया हूँ। हमारी भारत की राजधानी के भीतर जो प्रदूषण फैला हुआ है और इसकी वजह से, टीवी पर या आज हर किसी को चिन्ता है, खासकर मेरे संसदीय क्षेत्र का आनन्द विहार इलाका, जहाँ प्रदूषण का लेवल भारी मात्रा में बताया जाता है। मैं आपके ध्यान में यह लाना चाहता हूँ, माननीय गृह मंत्री जी भी यहाँ पर उपस्थित हैं, आज इस प्रदूषण के लिए जिस प्रकार से निर्णय लिये गये हैं कि गाड़ियों से प्रदूषण हो रहा है। पर बहुत-से ऐसे प्रदूषण भी हैं, जो वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का प्रदूषण है, जो ओखला में स्थित हैं। वर्ष 2013 में जिन प्लांटों की समयसीमा समाप्त हो चुकी थी, फिर वे चल रहे हैं। उनसे ऐसे गैस उत्पन्न होते हैं, जो कैन्सर जैसी बीमारियों को फैलाते हैं। पाँच लाख से ज्यादा आबादी पर उसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे कई सारे इंडस्ट्रियल प्लांट्स हैं, जिनके लिए कोई निर्णय नहीं लिये गये हैं। हाल में एक निर्णय लिया गया है कि ओड और ईवन नम्बर की गाड़ियाँ एक दिन चलेगी और एक दिन नहीं चलेगी।

मैं उन लोगों की तरफ से केवल एक बात बताना चाहता हूँ, जो यह निर्णय लिया गया कि एक दिन ओड नम्बर की और दूसरे दिन ईवन नम्बर की गाड़ियाँ चलेंगी, इससे तो अमीरों को कोई नुकसान नहीं होगा, वे एक दिन ओड नम्बर की गाड़ी चलाएंगे और एक दिन ईवन नम्बर की गाड़ी चलाएंगे। पर जो लाखों लोग नौकरियों पर जाते हैं, जो गरीब मजदूर हैं, जो बाईक पर जाते हैं, इन सबका ध्यान रखे बगैर जो निर्णय लिया गया है, मुझे लगता है कि इसमें एक सामूहिक निर्णय होना चाहिए ताकि इन लाखों गरीबों के हित को भी ध्यान में रखकर नियम बने। प्रदूषण की चिन्ता बेहद गंभीर है, पर उन गरीबों का भी ध्यान रखा जाना बहुत आवश्यक है। मैं यह ध्यान में लाना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : सर्व श्री केशव प्रसाद मौर्य, शरद त्रिपाठी, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, गणेश सिंह, निशिकांत दुबे, भैरों प्रसाद मिश्र, सदाशिव लोखंडे, सी.आर. चौधरी, अर्जुनलाल मीणा, अरविन्द सावंत, श्रीरंग आप्पा बारणे, पी.पी. चौधरी, राहुल कास्वां, राजीव सातव, गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा श्रीमती मीनाक्षी लेखी को श्री महेश गिरी द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति दी जाती है।